पत्रिका PLUS

Jaipur . Monday
30/10/2017

citylite 22 square 23 screen play 24

rajasthanpatrika.com/entertainment

City
GUEST

'अच्छे दिन...' गाना सम्मान से कम नहीं था

बॉलीवुड सिंगर अमन त्रिखा ने शेयर किए अनुभव

जयपुर ● भाजपा के इलेक्शन सॉन्ग 'अच्छे दिन आने वाले हैं' गाने का मौका मुझे मिला। हालांकि यह पार्टी का सॉन्ग था, जिसमें सिंगर की पहचान नहीं बताई जाती है। लेकिन जैसे ही यह गाना रेडियो, यूट्यूब, टीवी, सभी जगह वायरल हुआ, तो लोगों के दिलों तक पहुंचा। मेरे फैंस ने मेरी आवाज को भी पहचाना। यह गाना मेरे लिए सम्मान से कम नहीं था। यह कहना है प्लेबैक सिंगर अमन त्रिखा का। जयपुर आए अमन ने रविवार को अनुभव साझा किए।

विपक्षी पार्टियों की ओर से 'अच्छे दिन...' का मखौल उड़ाने की बात पर अमन ने कहा कि सभी का नजरिया अलग होता है। मैं किसी पार्टी से नहीं जुड़ा, मैं सिंगर हूं। मैं किसी पार्टी के लिए उनका गाना गाने को तैयार हूं। मेरा हर गाना मेरे लिए अहमियत रखता है, क्योंकि मैं फिल्मी परिवार से नहीं हूं।

पता नहीं था सिंगर बनूंगा

बचपन से अलग-अलग गाने सुनने और उनके सिंगर्स की आवाज पहचानने व संगीत पर ध्यान देने में दिलचस्पी थी। यह सही बात है कि अच्छा सिंगर सुनने से ही बना जा सकता है। मेरे साथ कुछ ऐसा ही हुआ। गाने से ज्यादा सुना करता था। इंजीनियरिंग के दौरान स्टेज पर गाना शुरू कर दिया। तब मुझे पता चला कि मैं अच्छा गाता हूं और बॉलीवुड में ट्राई करना चाहिए। लेकिन हॉबी को प्रोफेशन बनाना मुश्किल था, फैमिली को समझाने में स्ट्रगल करना पड़ा। मुझे क्रिकेट का भी बड़ा शौक था। अगर मैं सिंगर नहीं होता तो क्रिकेट में स्ट्रगल कर रहा होता।

'प्रेम...' से सलमान इम्प्रेस

मेरे लिए सबसे बड़ी चुनौती थी जब सूरज बड़जात्या ने मुझे 'प्रेम रतन धन पायो' का 'प्रेम लीला...' गाना दिया। मुझे बताया गया कि इसी सॉन्ग से सलमान की एंट्री होगी तो आवाज धमाकेदार होनी चाहिए। गाना रिकॉर्ड हुआ, जब सलमान ने सुना तो वे बहुत इम्प्रेस हुए।

'बटरफ्लाई...' मिला तो मुराद पूरी हुई

सलमान, अक्षय कुमार, अजय देवगन सभी के लिए गा चुका था। मैं शाहरुख खान का फैन हूं। बस, यही सोच रहा था कि उनके लिए गाने का कब मौका मिलेगा। 'रईस' में मुझे मौका मिलते-मिलते रह गया। मैं बहुत निराश हुआ। 'जब हैरी मेट सेजल' में 'बटरफ्लाई...' गाना मिला। शाहरुख ने ट्वीट कर मुझे कहा कि तुमने गाने को जिंदगी दी है।

पत्रिका डॉट कॉम पैट्रन इंडिया म्यूजिक समिट का समापन

इंडस्ट्री में इन दिनों अच्छे लोगों को काम नहीं

समापन दिवस पर इंटरनेशनल म्यूजिशियंस हुए रूबरू और कलाकारों ने दी दिलकश परफॉर्मेंस

'माय म्यूजिक, माय लाइफ' सेशन में मंच से सोनू के खरे बोल

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

City **LIVE**

जयपुर ● यह सही है कि इन दिनों बॉलीवुड और म्यूजिक इंडस्ट्री बदलाव के दौर से गुजर रही है, अब अच्छे कलाकारों को काम नहीं मिल रहा है। हाल ही देश की यंग आवाज के रूप में पहचाने जाने वाले सिंगर शान ने एक इंटरव्यू में कहा कि उन्हें अब काम नहीं मिल रहा है। यह नाइंसाफी का दौर है, जब ऐसे कलाकारों को कोई काम नहीं दे रहा है। इस समय ऐसे कई सिंगर, लिरिसिस्ट, म्यूजिक डायरेक्टर, कंपोजर और म्यूजिशियंस को नेगलेक्ट किया जा रहा है, ऐसे में म्यूजिक का स्तर तो कमजोर होगा ही। यह कहना है, प्लेबैक सिंगर सोनू निगम का। होटल फेयरमोंट में पत्रिका डॉट कॉम पैट्रन एमटीवी इंडिया म्यूजिक समिट के आखिरी दिन आयोजित सेशन 'माय म्यूजिक, माय लाइफ' में चर्चा करते हुए सोनू निगम ने अपने दिल के कई राज खोले। समिट के समापन दिवस पर इंटरनेशनल कलाकारों ने प्रमुख विषयों पर चर्चा करने के साथ मंच पर प्रस्तुतियां देकर जयपुराइट्स का जमकर मनोरंजन किया।

संगीत के तीन दुश्मन हैं...

सुबह शास्त्रीय गायक पं. छन्नूलाल मिश्र ने अपनी गायकी से भक्ति रस का अहसास कराया। उन्होंने प्रस्तुति से पहले कहा कि संगीत के तीन दुश्मन होते हैं, बालक, बात और बयार। इन तीनों की वजह से संगीत की शुद्धता में अंतर आ जाता है। संगीत शांत माहौल से ही अपनाया जा सकता है। वैसे म्यूजिक स्टेज या मंच पर प्रस्तुत नहीं होता, यह सिर्फ मंदिर में ही होता है और हम जहां प्रस्तुति देते हैं, वहां मंदिर की तरह आचरण करते हैं। हम काशी से आए हैं, इसलिए यहां छोटा ख्याल सुनाएंगे। मिश्र ने राग तोड़ी में तीन ताल में छोटा ख्याल 'दर्शन के अधीन नैना' की भावपूर्ण प्रस्तुति दी।

इंडिपेंडेंट म्यूजिक आज खुद को तलाश रहा है

सोनू ने माला शेकरी से बात करते हुए कहा कि फिल्में संगीत का पर्याय बन चुकी हैं और इंडिपेंडेंट म्यूजिक आज खुद को तलाश कर रहा है। इसे कमजोर करने में सबसे बड़ा हाथ रेडियो का है, जिसने क्रिएटिव सिंगर्स के स्वतंत्र संगीत को कभी मौका नहीं दिया। रेडियो में वे ही गाने बजते हैं, जो फिल्मों के लिए बनते हैं। यदि रेडियो हम जैसे सिंगर्स के इंडिविजुअल सॉन्ग्स को भी बजाने लग जाएं, तो यह फिर से पॉपुलर हो सकता है। 40 साल से प्रोफेशनल सिंगर के तौर पर काम कर रहा हूं और पॉपुलर हुए 25 साल हो गए हैं। क्लासिकल कभी सीखा नहीं, लेकिन रियाज करना अच्छे से जानता हूं। रागदारी नहीं सीखी, पर म्यूजिक को एग्जीक्यूट करना जानता हूं।

रिपोर्ट: अनुराग त्रिवेदी, पुष्पेन्द्र शर्मा

फोटो: संजय कुमावत, जुगल किशोर शर्मा

म्यूजिक बहते हुए पानी की तरह

पांच बार के ग्रैमी अवॉर्ड विनर जैफ भास्कर ने म्यूजिक डायरेक्टर राम संपत के सवालों के जवाब में कहा कि म्यूजिक कलरव बहते पानी की तरह है, जो आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है और पांच बार ग्रैमी मिलना इस अनवरता को दर्शाता है। पॉप म्यूजिक के पॉपुलर होने का मुख्य कारण एक्सपेरिमेंटल म्यूजिक है, जिसमें नए म्यूजिशियन बेहतरी के लिए नित नए प्रयोग अपने प्रोजेक्ट्स में कर रहे हैं। क्रिएटिविटी पर बिलीव करने वाले कलाकार हमेशा आगे के लिए सोचते हैं। वैसे इन दिनों लिरिक्स को लेकर एम्पावर होने की जरूरत है, जो लोगों से सीधे संवाद करे, ऐसे लिरिक्स की सख्त जरूरत है।

सितार-बांसुरी का फ्यूजन

रविवार के दिन की शुरुआत सितारवादक शुजात खान और बांसुरीवादक अजय प्रसन्ना की जुगलबंदी कार्यक्रम से हुई। शुजात ने जहां गायकी अंग के साथ अपनी प्रस्तुति दी, वहीं प्रसन्ना ने मौसम के मिजाज को देखते हुए बांसुरी की धुनों का जादू बिखेरा। कलाकारों ने राग हमीर और बिलावल के मिश्रित अंदाज का बखूबी प्रदर्शन किया। सुबह के माहौल में शुजात ने 'सुमिरन कर भज राम' की प्रस्तुति भी दी।

समिट के समापन पर पाइपर बैंड के सदस्यों ने एक से बढ़कर एक धुनों को पेश कर वाहवाही बटोरी।

म्यूजिक कोमा में है, डेथ नहीं हुई

बॉल रूम में आयोजित 'डेथ ऑफ म्यूजिक?' सेशन में सिंगर सोना महापात्रा, जैफ भास्कर, जसबीर जस्सी, प्रसून जोशी, क्विंटन सिरोहा ने म्यूजिक में आ रहे बदलावों पर चर्चा की। सोना ने कहा कि आजकल म्यूजिक अवॉर्ड शो में होस्ट एक्टर करते हैं, वहां म्यूजिशियन को होना चाहिए। हाल ही एक इवेंट में सोनाक्षी सिन्हा को यह भूमिका निभाते देख ठीक नहीं लगा। ऐसे कलाकार लिप्सिंग पर नाम कमाते हैं। ऑटोट्यून के चलते ऐसे कलाकार सिंगर भी बन जाते हैं। टेक्नोलॉजी के चलते अभी जस्टिन बीबर मुम्बई में कॉन्सर्ट में लिप्सिंग करके चले गए और यहां हनी सिंह 'पानी-पानी' गाकर जा रहे हैं। प्रसून ने कहा कि ऑडियंस को वो ही गाने देखने चाहिए, जो संस्कृति और म्यूजिकली स्ट्रॉन्ग हों, ऐसे में घटिया प्रोडक्ट अपने आप पीछे रह जाएगा। जैफ ने कहा कि टेक्नोलॉजी ने म्यूजिक को स्ट्रॉन्ग भी किया है, बस इसके सही इस्तेमाल की जरूरत है। टेक्नोलॉजी के दम पर हॉलीवुड में कॉम्पीटिशन बढ़ गया है, लेकिन एक्सपेरिमेंट बेस्ट साबित हो रहे हैं। जस्सी ने कहा कि इस समय म्यूजिक कोमा में है, इसकी डेथ नहीं हुई है, लेकिन डेंजर जगह है।

गजल की नामचीन हस्तियों को ट्रिब्यूट

'द ट्रिब्यूट-गजल' सेशन में राधिका चोपड़ा और जाजिम शर्मा ने अपने अंदाज में सैफ मोहम्मद के सवालों का जवाब दिया। राधिका ने कहा कि गजल हॉल या ऑडिटोरियम की विषयवस्तु नहीं है, यह महफिल का मामला है। यह वन साइड काम नहीं करती, टू वे ट्रैफिक की तरह काम करती है, यानी यह एकतरफा प्यार को बढ़ावा नहीं देती, दोनों पक्षों की बातों को अहम दर्जे के साथ रखती है। इस दौरान बेगम अख्तर, मेहंदी हसन, इकबाल बानो, गुलाम अली, मुबारक बेगम, बड़े गुलाम अली, मल्लिका पुखराज, जगजीत सिंह और फरीदा खन्नुम के गजल में दिए योगदान को याद किया गया। प्रस्तुति के दौरान बेगम अख्तर के शेर 'अ मोहब्बत मेरी अंजाम पर रोना आया, जाने क्यों आज तेरे नाम पर रोना आया' को सुनाया। शेरों-शायरी के साथ गजल के डिफरेंट अंदाज को बयां किया।

ANCHOR

कलाकार के अनुभव की कहानी बयां करते आर्ट पीस

आर्टिस्ट हिम्मत शाह ने कला की विविधताओं से प्रस्तुत किया अनुभव

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जयपुर ● जीवन के अनुभवों को कला की तरह सहेज लेना सबसे आसान और सबसे मुश्किल आर्ट फॉर्म है। एक पेंसिल से अपनी कल्पना को उकेर लेना हो, चाहे कांसे के सांचे में ढालकर उसे मूर्त रूप देना, चाहे जमीन से जुड़ने की जुनूनियत...15 साल से जयपुर की 'कला गुमनामी' में रह रहे आर्टिस्ट हिम्मत शाह ने इन्हें बड़े ही आकर्षक अंदाज के साथ पेश किया है। जवाहर कला केन्द्र में रविवार को हुए प्रीव्यू शो में उनके कुछ इसी तरह के अनुभव अपनी एक कहानी कहते नजर आए। इसमें उनके 200 से ज्यादा प्राचीन और आधुनिक आर्ट पीस नजर आए। रूबीना करोडे द्वारा क्यूरेट की गई इस प्रदर्शनी को नई दिल्ली के किरण नाडर म्यूजियम ऑफ आर्ट (केएनएमए) के सहयोग से राजस्थान में पहली बार प्रदर्शित किया जा रहा है। प्रदर्शनी में राजस्थान के प्राकृतिक दृश्यों से प्रेरित चित्र एवं मूर्तियां भी शामिल की गई हैं। साथ ही टेराकोटा, कांस्य मूर्तियों एवं चित्रों को प्रदर्शित किए जाने के साथ-साथ उनकी कुछ प्रसिद्ध एवं असाधारण कलाकृतियां जैसे हाई-रिलीफ म्यूरल्स, अर्ली ब्रंट पेपर कोलाज और दुर्लभ सिल्वर पेंटिंग्स शामिल हैं। साथ ही मौलिक टेराकोटा मूर्तियां, ड्रॉइंग्स, पोर्ट्रेट्स, ब्रॉन्ज हैड और स्कल्प्चर्स भी शामिल हैं। आमजन के लिए 'द यूफोरिया ऑफ बीइंग हिम्मत शाह -अ कंटीन्यूइंग जर्नी अक्रॉस सिक्स डिकेड्स' प्रदर्शनी मंगलवार से शुरू होगी, जिसे 15 दिसंबर तक देखा जा सकेगा।

पेंसिल से दुनिया की लकीर...

आर्ट क्यूरेटर रूबीना करोडे ने बताया कि मैं पिछले 25 साल से उनके काम को देख रही हूं। जहां एक ओर उनका वर्क प्राचीन कला को प्रस्तुत करता है, वहीं दूसरी ओर टेराकोटा में आधुनिक क्राफ्ट की भी मिसाल देता है। उन्होंने जीवन की हर चीज को आर्ट की तरह जीने की कोशिश की है। यही वजह है कि उनकी कला जहां एक पेंसिल से दुनिया की लकीरें खींच देती है, वहीं टूटी हुई एक बोतल का कास्ट पोएटिक फॉर्म में अपनी बात कहता नजर आता है। कई कृतियां तो उन्होंने यूं ही उन्होंने रच दी हैं, बर्न पेपर कोलाज उनमें से एक है। दिल्ली में उनका काम बाढ़ में बह गया था, लेकिन वे कहते हैं कि मेरे पास कला बाकी रह गई है। इससे काफी कुछ रीक्रिएट किया जा सकता है। यहां उनके 1955 से लेकर अभी तक के वर्क को प्रदर्शित किया गया है, जिसमें म्यूरल आर्ट, पिक्चर, पेंटिंग्स, ड्रॉइंग्स और स्कल्प्चर जैसे बेहतरीन आर्ट ऑब्जेक्ट शामिल हैं। ये कई सोर्सेज से इकट्ठे किए गए हैं।

नेशनल लेवल टेक्नोलॉजी वर्कशॉप आज से

जयपुर ● विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा भारत सरकार के सहयोग से सोमवार से जवाहर सर्किल स्थित एक होटल में दो दिवसीय नेशनल लेवल टेक्नोलॉजी यूजर वर्कशॉप आयोजित की जाएगी। वर्कशॉप में भारत सरकार के विभिन्न विभागों और कई राज्यों के विज्ञान एवं टेक्नोलॉजी काउंसिल द्वारा विकसित टेक्नोलॉजी के बारे में चर्चा की जाएगी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा मंत्री किरण माहेश्वरी होंगी। अध्यक्षता प्रमुख शासन सचिव, आईटी संदीप वर्मा करेंगे। कार्यशाला में वरिष्ठ वैज्ञानिक और आईटी फील्ड के विशेषज्ञ हिस्सा लेंगे। कार्यशाला में पशुपालन, कृषि, नेशनल हेल्थ मिशन, लघु एवं मध्य उद्योग, पीएचईडी विभागों से वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित होंगे। जहां वे अपने विभागों में उपयोग की जा रही टेक्नोलॉजी एवं चुनौतियों से संबंधित प्रस्तुतिकरण देंगे, वहीं सेशन में इनोवेटर्स के साथ चर्चा की जाएगी।